IJNRD.ORG ISSN : 2456-4184
INTERNATIONAL JOURNAL OF NOVEL RESEARCH AND DEVELOPMENT (IJNRD) | IJNRD.ORG
An International Open Access, Peer-reviewed, Refereed Journal

सुशासन से सशक्तिकरण की ओर बढ़ता हुआ उत्तर प्रदेश

1.सारिका तिवारी

शोधार्थी- बुन्देलखण्ड विश्वविद्यालय झाँसी (उत्तरप्रदेश)

2. प्रो.(डॉ.) किशन यादव

कुलपति/ कुलगुरु क्रांतिवीर तात्या टोपे विश्व विद्यालय गुना (मध्य प्रदेश)

भारतीय संविधान की स्थापना में उल्लेखित की भारत एक संपूर्ण समाजवादी धर्मनिर्पेक्ष, लोकतांत्रिक गणराज है | लोकतंत्र कहता है कि जो शासन करता है वह प्रत्यक्ष रूप से जनता द्वारा चुना जाएगा एवं उसके शासन करने का अधिकार भारतीय संविधान द्वारा निर्धारित होगा। इस लोकतांत्रिक मूल्यों को बढ़ावा मिलता है प्रशासन में नैतिकता, पारदर्शिता, जवाबदेहिता का समाधान होता है।

स्वराज की कल्पना महात्मा गांधी जी के द्वारा की गई, यह स्वराज ही सुशासन है | सुशासन की अवधारणा विगत समय में अधिक व्यापक और एवं लोकप्रिय हो गई है | सुशासन के अर्थ को स्पष्ट करने के लिए निरंतर नवीन अवधारनाएं जन्म ले रही है | जो वर्तमान परिपेक्ष में शासन सुशासन की ओर अग्रसर है।

उत्तर प्रदेश के **मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने** कई बार राज्य में ई गवर्नेंस (ई शासन) की महत्ता पर बात की है उनका यह विश्वास रहा है कि डिजिटलीकरण और ई-शासन से प्रशासन को पारदर्शी जवाबदेह और प्रभावी बनाया जा सकता है | हमे जनता के काम करने के तरीके निकालने हैं ना कि काम ना करने के बहाने तलाशने हैं |

एकात्म मानववाद के प्रणेता **पंडित दीनदयाल उपाध्याय** के "**अंत्योदय**" की अवधारणा के अनुसार हमे गरीब से गरीब व्यक्ति तक सरकारी सुविधा पहुँचना है | उनका ये भी मानना था कि सरकार का काम केवल विकसित या मध्यम वर्ग तक ही सीमित नहीं होना चाहिए, बाल्कि सभी गरीबो और पिछड़े वर्गो तक सुविधाएं पहुँचनी चाहिए, उनके विचारों को आज भी ई- गवर्नेंस और डिजिटल इंडिया के परिप्रेक्ष्य में देखा जा सकता है, क्योंकि ई- गवर्नेंस भी लोक सेवाओ को आम नागरिक तक पहुँचाने का एक प्रमुख जरिया है |

सुशासन के लक्ष्य की प्राप्ति हेतु प्रदेश सरकार ने विभिन्न कल्याण कार्यक्रम और अभियानों का क्रियान्वयन किया है| इस हेतु वर्तमान सरकार द्वारा **यूपी राज्य ई-गवर्नेंस टीम मिशन (UPSeMT) 2007,**

यूपीसरकार की डिजिटल गवर्नेंस पहल (डिजिटल उत्तर प्रदेश) 2016 की शुरुआत की गई | उत्तर प्रदेश एक कृषि प्रधान राज्य है और यहां का उदय ग्रामों में बसता है, इस हेतु उत्तर प्रदेश सरकार के मुखिया द्वारा **सीएम हेल्पलाइन 1076** और **प्रशासन आपके द्वार** जैसी योजनाओ की शुरुआत कर जनसमस्याओं का तत्काल प्रभाव से निराकरण किया जाता है | आमजन को शासन से प्रत्यक्ष रूप से जोड़ने लाभ पहुँचाने हेतु शासन के सभी विभागों को विस्तृत क्षेत्र नेटवर्क से जोड़ा गया है ई-गवर्नेंस के प्रभावी क्रियान्वयन पर जोर दिया गया है |

वर्तमान परिपेक्ष्य में यह कहना गलत नहीं होगा कि ई-शासन, सुशासन का आधार बन चुका है, **ई टेंडर, एंटी भू माफिया पोर्टल, भूलेख,**आदि के माध्यम से सूचना प्रौद्योगिकी का उपयोग जन कल्याण एवं प्रशिक्षण दक्षता बढ़ाने के लिए मुख्य होता है। सीएम हेल्पलाइन प्रदेश में सुशासन स्थापना हेतु अभिनव एवं सफल प्रयोग रही है |

नागरिको की समस्या का समाधान एक निश्चित अवधि में करने हेतु **जनसुनवाई समाधान योजना** लागू की है| जिसे राज्य के नागरिको को सेवा प्रदान करने में अधिक समय नहीं लगेगा | ऐसी सेवा तत्काल रूप से प्राप्त की जा सकेगी | वर्तमान केंद्र सरकार का उद्देश्य जहाँ आत्मनिर्भर भारत है, उसी का अनुपालन में वर्तमान उत्तर प्रदेश का उद्देश्य भी प्रदेश को आत्मनिर्भर बनाना है | इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए एक रोड मैप भी तैयार किया गया है |

आईजीआरएस जनसुनवाई एकीकरण शिकायत निवारण प्रणाली उत्तर प्रदेश राज्य में नागरिकों की शिकायत निवारण के लिए एक एकीकृत योजना है लोग इस सेवा का उपयोग शिकायत दर्ज करने के लिए, अपनी आईजीआरएस स्थिति को ट्रैक करने के लिए और सरकार को प्रतिरोध देने के लिए काम करेंगे | यह एक ऑनलाइन प्रक्रिया है जो पारदर्शिता को बढ़ावा देती है और यह सुनिश्चित करती है कि सरकारी विभाग लोगो के प्रति जवाबदेह है |

महिलाओं के लिए एक कदम - **महिला सम्मान कोष** जो ये सुनिश्चित करता है हिंसा की शिकार महिलाओ को पुनर्निर्माण सर्जरी सहित मौद्रिक और चिकित्सा राहत मिले, साथ ही शैक्षणिक सहायता भी मिले | इसका उद्देश्य उन महिलाओं और लड़कियों की मदद करना है जो हिंसा का प्रत्यक्ष शिकार नहीं है, लेकिन फिर भी उन्हें महत्वपूर्ण सामाजिक और आर्थिक सशक्तिकरण की आवश्यकता है | प्रदेश सरकार का यह कदम महिला सशक्तिकरण की तरफ एक सराहनीय कदम है | प्रदेश के मुखिया द्वारा महिलाओ के ख़िलाफ़ अपराध के मामले के निपटारे के लिये उत्तर प्रदेश में **100 फास्ट ट्रैक कोर्ट** स्थापित किये गए है | दिसंबर 2022 तक इनकी संख्या 218 हो गई |

ई-ऑफिस-यूपी उत्तर प्रदेश सरकार के राष्ट्रीय सुशासन कार्यक्रम द्वारा वित्तपोषित एक मिशन कोड परियोजना है राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र ने उत्तर प्रदेश सरकार के विभाग एवं कार्यालयो में सभी गतिविधियो एवं परियोजनाओं को अधिक कुशल और प्रभावी एवं पारदर्शक बनाने के लक्ष्य से इस उत्पाद को विकसित किया गया है | वर्तमान में आमजन की समस्याओं का त्वरित निराकरण एवं गुणवत्तापूर्ण सेवा प्रदान करने हेतु **ई-डिस्ट्रिक्ट** योजना संचालित है |

प्रदेश में **कोशवाणी** (http://koshvani.up.nic.in/) वेबसाइट राज्य की वित्तीय सेहत को बनाए रखने एवं सरकारी लेन देन में पारदर्शिता बढ़ाने के उद्देश्य से विकास की गई | प्रदेश में एकल विंडो सिस्टम के बाद डेटाबेस तैयार किया जा रहा है। यह विन्डो व्यवसायियों के लिए ऑनलाइन मंज़ूरी और अनुमोदन की सुविधा प्रदान की जा रही है। जिसका उद्देश्य राज्य में व्यवसाय स्थापित करने और संचालन की प्रकृति को सुव्यवस्थित करना है।

वर्तमान युग सूचना प्रौद्योगिकी का युग है | परिणाम स्वरूप वर्तमान में हम सुशासन से आगे बढ़कर ई-शासन से भी एक कदम आगे एम- गवर्नेंस तक पहुँच गये है | यहाँ एम मोबाइल गवर्नेंस से अर्थ है मोबाइल शासन, आज कल लगभग सारी सुविधाये मोबाइल के माध्यम से उपलब्ध है इसलिए उत्तर प्रदेश शासन इस ओर भी प्रयत्नशील है प्रदेश नागरिको की सुविधा की दृष्टि से उठाया गया यह कदम सुशासन की दृष्टि से महत्वपूर्ण कदम है |

प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी के कथन अनुसार - " ई-गवर्नेंस न केवल प्रशासन की कार्यशैली को पारदर्शी बनाता है बाल्कि यह नागरिको को भी सरकारी योजनाओं और सेवाओं तक आसान पहुंच प्रदान करता है, डिजिटल तकनीक का उपयोग कर हम प्रदेश में भ्रष्टाचार को खत्म करने के लिए, कामकाजी दक्षता को बढ़ाने और सरकारी सेवाओं को त्वरित बनने के लिए प्रतिबद्ध है|"

संदर्भ

- उत्तर प्रदेश सरकार प्रमुख ई गवर्नेंस परियोजानायhttp://up.gov.in/egov/link.html
- उत्तर प्रदेश सरकार (2017) उत्तर प्रदेश सूचना प्रौद्योगिकी एवं विकास स्टार्टअप नीति 2017-2022

http://itpolicyup.gov.in/wpcontent/upload/2017/12UP-IT-Start-up-policy2017-english.pdfसे प्राप्त किया गया

- उत्तर प्रदेश की प्रमुख ई-गवर्नेंस परियोजनाhttps://up.gov.in/en/article/key-e-governace-project
- उत्तर प्रदेश मासिक पत्रिका – सेवा, सुरक्षा और सुशासन के लिए समर्पित
- समाचार पत्र- दैनिक जागरण
-
- -
- IJRASET अंतर्राष्ट्रीय जर्नल ई गवर्नेंस इन उत्तरप्रदेश: अवधारणा, पहल और चुनौतियां